स. श्रो. वि/एक हो / 14-84/30032 -- वृंकि हरियामा की राज्यशाल की राजु है कि 1. मैं. ऐनिया फाउण्डरो प्लाट में. 158 मैंनडर+24, फरोदेश्वर, 2. मैंनेशिंग डायरैस्टर मैं. ऐनिया कार्यक्षिय सार्का में र नेश्य कार्यकों प्लाट में 32 जंगपुरा रोड गोगल, दिल्ली के अमिक श्री बृज किसोर तथा उनके प्रवश्वकों के मध्य इसमें इसके वाद विजित्त मायने के सम्बन्ध में कोई श्रीद्योगिक विवाद है ;

भीर वृक्ति इरियाणा के राज्यागन विकास को स्वापित ग्रेय हेर्न विकिथ करना बाँछनीय समझते हैं :----

इस लिए, प्रव. योग्रोगिक विवाद प्रजितियम 1947 की धारा 10 को उनवारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई विवादों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यान इसके द्वारा सरकारी, अधिमूचना सं 5415-3-श्रम-68/15254. दिनांक 20 जून 968 के साथ पड़ने दुं प्रणेत्वा ने 11145-को -अनं 57 11245 दिनांक 7 करतरी, 1958 हार्य उनन अधि नियम की धारा के प्रजीन गठित श्रम न्यध्यात्व, फरीदाबाद की विवाद प्रस्त या उससे सुमंगत या उससे सम्बन्धित नोचे लिखा मामला न्यायनिर्णय के निए निर्दिष्ट करते हैं, जो कि उनन प्रस्त हों गा श्रीक है बोई प्रानी विवाद प्रस्त मामला है :--

क्याध्यो ज्ञानिकारिको सेवायों का सनापन न्यायोचित तथा ठीक हैं १ यदि नहीं तो वह किया राहत का हकतार

ितांक 29 ध्रगस्त, 1984

सं0 म्रो०वि०/पानीपत/87-84/32347.--चूंकि हिरेशामा है राह्यान हो राष्ट्र है कि नै० पुर मोत इण्डिया कूंजपुरा राड, करनाल के श्रमिक श्री हाम कुमार तथा उसके शवन्त्रकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामलें में कोई श्रीद्योगिक विवाद है;

श्रीर चुंकि हरियाणा के राज्यवाल विवाद को त्यावित्र्यवी हैनु निर्दिष्ट करना बांछनीय समझने हैं ;

इसलिए, अन, श्रोद्योगिक विवाद सिंधितियम, 1947 की बारा 10 की उपवारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शिक्तयों का प्रयोग करते हुये, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी अधिसूचना सं. 3(44)84-3-श्रम, दिनांक 19 अप्रैल, 1984 द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7 के प्रधीन गठित श्रम क्यायालय, प्रम्बाला को विवादप्रस्त या उससे संबंधित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय के लिये निर्दिष्ट करते हैं, जो कि उक्त प्रवन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादप्रस्त मामला है या विवाद से स्वयंत श्रयवा संबंधित मामला है:—

क्या श्री रामकुमार की सेवाओं का समापन न्यायोचित तया ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस रहित का हकदार है?

सं िश्रो 0वि 0 / पानी रत / 89-84 / 32353.— चूं कि हरियाण के राज्यपाल की राय है कि मैं. राज पाल जाली वर्कस 'लचे रोड़, करनाल के श्रमिक श्री उपेन्द्र कु गर तथा उनके प्रज्याकों के पश्य इसमें इसके बाद लिखित नामले में कोई श्रीधींगिक विवाद है;

धीर चुकि हरियाणा के राज्यसन विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना बाछनीय समझते हैं;

इस लिए, घर, भौगोगिक विवाद मित्रितियम, 1947 को प्रारा 10 को उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई गंक्तियों का प्रयोग करते हुये, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी मित्रिस्त्वना सं. 3(44)84-3-श्रम, दिनांक 19 अप्रैल, 1384 द्वारा उक्त मित्रियम की धारा 7 के मधीन गठित श्रम-न्यायालय, मम्बाला को विवादग्रस्त या उससे संबंधित नीचे लिखा नामला न्यायनिर्णय के लिये निर्दिष्ट करते हैं, जो कि उक्त प्रवन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से गुग्गत ग्रथवा संबंधित मामला है :--

च्या श्री उपेन्द्र कृमार की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है?

एस. के. महेश्वरी,

संयुक्त सचिव, हरियाणा सरकार. १ श्रम विभाग ।

4600 CS(H)-Govt. Press, U.T., Chd.